उत्तर प्रदेश का पहला बायो-सीएनजी प्लांट

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उत्तर प्रदेश का **पहला व देश का दूसरा अपशिष्ट-से-**CNG प्लांट स्थापित किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **प्लांट के बारे में:**
  - यह प्लांट **पराली, मुर्गी के कूड़े, गोबर और गीले कचरे** से जैव-ईंधन **(Bio-CNG)** बनाएगा।
  - यह **प्रतिदिन 21.5 टन जैव-CNG, 200 टन जैविक खाद** और **30 मीट्रिक टन ब्रिकेट** का उत्पादन करेगा।
  - इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर संचालित किया जाएगा।
  - जैव ईंधन की आपूर्ति के लिये **अडानी गैस लिमिटेड** द्वारा इस क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाई जाएगी।
  - इससे **कचरा निपटान पर लगभग 5 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत** होगी।
  - **शहर का लगभग एक-तिहाई कचरा** इस प्लांट में उपयोग किया जाएगा।
- **उद्देश्य**
  - **कचरा प्रबंधन** को व्यवस्थित करना
  - नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना
  - **पर्यावरण प्रदूषण** को कम करना (विशेषकर पराली जलाने से होने वाला)
  - **शहरी गैस आपूर्ति** को सुलभ और सस्ती बनाना

बायो-सीएनजी:

- बायो-सीएनजी (BioCNG), जिसे 'बायोमीथेन' के रूप में भी जाना जाता है, **एक नवीकरणीय और स्वच्छ दहन परिवहन ईंधन है, जो बायोगैस को प्राकृतिक गैस की गुणवत्ता में अद्यतन या अपग्रेड करने के माध्यम से उत्पादित किया जाता है।**
- यह अनिवार्य रूप से शुद्धीकृत बायोगैस (purified biogas) है, जो निम्नलिखित जैविक अपशिष्ट पदार्थों से बनाई जाती है:
  - **कृषि अपशिष्ट:** फसल अवशेष, भूसा, खाद
  - **खाद्य अपशिष्ट:** खराब भोजन, बचा हुआ अवशेष
  - **सीवेज कीचड़:** अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों से निकलने वाला ठोस अपशिष्ट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradeshs-first-bio-cng-plant